HISTORY, B.A. HONS. II — PAPER II

Fiveth answer से आगे :- Contribution of Napoleon as the first Consul
प्रथम कॉन्सल के रूप में नेपोलियन की देन :—

(ii) **सिविल कोड की स्थापना (Civil Code) :-** इस समय फ्रांस में अनेक
कानून थे, किन्तु कोई एक सुनिश्चित संहिता (code) नहीं थी। नेपो-
लियन ने इस कार्य में व्यक्तिगत रुचि ली तथा 1804ई० में
'सिविल कोड' तैयार करवाया। नेपोलियन का यह कार्य उसकी
महान् उपलब्धि थी। इसी कारण इसे नेपोलियन संहिता (Napoleon
Code) भी कहा जाता है। स्वयं नेपोलियन ने इस संहिता के विषय
में घोषणा की थी, "मेरे कानूनों का संग्रह मेरी विजयों से अधिक
स्थायी रहेगा।"

नेपोलियन ने सिविल कोड तैयार करने के लिए 1804ई०
में एक समिति नियुक्त की जिसका नेतृत्व प्रसिद्ध विधि-विशेषज्ञ
कैम्बासेरेस (Cambaceres) ने किया। इस समिति ने चार माह के कठोर
परिश्रम के पश्चात् एक सिविल कोड तैयार किया। फिशर ने इस कोड की
अत्यंत प्रशंसा की है। उन्होंने लिखा है, "जिस कार्य के लिए आधुनिक
सरकारें 15 वर्षों का समय लेती हैं नेपोलियन ने वह चार महीनों
में कर दिखाया।" यह संहिता फ्रांस के लिए वरदान प्रमाणित हुई।

इस सिविल कोड के पांच भाग थे :-

(i) व्यवहारिक संहिता (Civil Code) - इस संहिता के अन्तर्गत व्यक्तियों,
वस्तुओं एवं सम्पत्ति आदि के विषय में कानून थे।

(ii) व्यवहारिक प्रक्रिया संहिता (Code of Civil Procedure) - इसमें 1737-
38 ई० के अध्यादेशों का संग्रह था।

(iii) दण्ड संहिता (Penal Code) - इसमें विभिन्न प्रकार के अपराधों के
लिए विभिन्न दण्ड देने का प्रावधान था।

(iv) दण्ड प्रक्रिया संहिता (Code of Criminal Procedure) - इसके अन्तर्गत
अपराधी को न्यायालयों में अपने पक्ष में वकील आदि करने
का अधिकार दिया।

(v) वाणिज्य संहिता (Commercial Code) - इस संहिता के अन्तर्गत
व्यापार सम्बंधी नियम थे। उल्लेखनीय है कि इस सिविल कोड
के निर्माण में नेपोलियन का निजी हाथ भी बहुत अधिक था।

नेपोलियन स्वयं विधिवेत्ता नहीं था और न ही उसे कानून का
विशेष ज्ञान था, किन्तु उसकी बौद्धिक प्रतिभा अत्यंत प्रखर, सूक्ष्म-बूझ,
और विचार शक्ति तत्पगम्य थी, इसलिये उसने जो अनेक सुझाव,
आलोचनाएं और प्रश्न प्रस्तुत किये उससे पूरी संहिता का रूप ही
परिष्कृत होकर निखर उठा। हेजन ने लिखा है, "धर्म सम्बंधी अपनी
शब्दावली और अभिव्यंजना के कारण पादरियों ने उसे (नेपोलियन को)
'कान्सेण्टाइन' की उपाधि दी और विधिवेत्ताओं ने उसे नया 'जस्टीनियन'
कहा, किन्तु सत्य यह है कि अनेक बातों में वह दोनों से बढ़कर था।"

सिविल कोड का मूल्यांकन (Evaluation of the Civil Code) :-

नेपोलियन द्वारा तैयार कराए गए सिविल कोड की
कुछ लोगों ने कटु आलोचना की। उन्होंने इस सिविल कोड को
'कानून के मूल सिद्धांतों की एक छोटी सी नोट बुक' अथवा 'शीघ्रतापूर्वक
खड़ा किया गया एक खोखला ढांचा' कहा,

Ajanta Oxford

→

किन्तु सत्य इसके विपरीत प्रतीत होता है क्योंकि अधिकांश इतिहासकारों ने इस संहिता की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। केटलबी ने लिखा है "यह संहिता सामान्य बुद्धि तथा अनुभव पर आधारित थी न कि सिद्धांतों पर। इसमें कोई राजनीतिक अथवा धार्मिक पक्षपात नहीं था। यह धार्मिक सहनशीलता तथा समानता की गारन्टी देती थी तथा सिविल विवाह एवं तलाक की अनुमति देती थी।" वर्तमान समय में सिविल कोड सम्भवत: उतना महत्वपूर्ण प्रतीत नहीं होता, किन्तु तत्कालीन स्थिति को ध्यान में रखते हुए निःसंदेह यह अत्यंत महत्वपूर्ण था। इसने फ्रांस की जनता के तत्कालीन कष्टों को दूर किया। फ्रांस का सिविल कोड समानता के सिद्धांत (Principle of equality) पर आधारित था। इससे मध्यवर्ग को विशेष लाभ लाभ हुआ। इस संहिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हेज ने लिखा है, "फ्रांस का कोड विश्व भर में सबसे सुविधाजनक और सबसे प्रबुद्ध कानून रहा। नेपोलियन को आधुनिक जस्टीनियन कहना उचित ही है। रोज ने भी 'नेपोलियन कोड' की प्रशंसा करते हुए लिखा है, "नेपोलियन की प्रसिद्धि उसके द्वारा विजित 40 युद्धों में नहीं, वरन् काउन्सिल ऑफ स्टेट की वितर्कता तथा नेपोलियन कोड में निहित है।"

प्रथम कान्सल के रूप में नेपोलियन के कार्यों का मूल्यांकन :-

नेपोलियन ने प्रथम कान्सल बनने के पश्चात् फ्रांस की आंतरिक स्थिति को सुधारने के लिए असाधारण प्रयास किये जिसका परिणाम अनेक सुधारों के रूप में सामने आया। जिस समय नेपोलियन प्रथम कान्सल बना था, उस समय फ्रांस की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। जनता सुदृढ़ शासन चाहती थी। इतिहासकार हेज ने लिखा है, "फ्रांस की जनता उस समय स्वतंत्रता, समानता एवं भ्रातृत्व की भावना की स्थापना चाहती थी। नेपोलियन ने यह कार्य करके स्वयं को क्रांति का वास्तविक पुत्र एवं उत्तराधिकारी प्रमाणित किया।" डेविड थामसन ने इसी प्रकार के विचार व्यक्त करते हुए लिखा है, "नेपोलियन का वास्तविक उद्देश्य फ्रांस के वैधानिक, वित्तीय तथा प्रशासनिक संस्थाओं का तरतीब से पुनर्संगठन करना था जिसने नेपोलियन को अठारहवीं शताब्दी का अन्तिम किन्तु महानतम उदारवादी निरंकुश शासक बना दिया।" ग्रांट तथा टेम्परले ने भी नेपोलियन की सुधारवादी नीति की प्रशंसा करते हुए लिखा है, "एक राजनीतिज्ञ के रूप में नेपोलियन का मुख्य आधार उसकी गृह-नीति के अन्तर्गत किये गये कार्य ही हैं जिसने उसे विख्यात सैनिक का अद्वितीय स्थान भी प्रदान किया।"

5-8-2020